पाठ-1

वर दे!

आइए, सीखें : ● राष्ट्र-प्रेम और राष्ट्रीयता की भावना जागृत करना ● उपमा अलंकार का परिचय ● 'र' के विभिन्न रूपों की पहचान ● पर्यायवाची शब्द एवं विलोम शब्द

*(**पाठ-परिचय :** इस कविता में कवि ने देवी सरस्वती की वन्दना की है। कवि माँ सरस्वती से नव-निर्माण हेतु वर माँगते हुए समूचे संसार को आलोकित करने की प्रार्थना कर रहा है।)*

वर दे, वीणावादिनि, वर दे ।
प्रिय स्वतन्त्र रव, अमृत मन्त्र नव
भारत में भर दे !

काट अन्ध उर के बन्धन स्तर,
बहा जननि, ज्योतिर्मय निर्झर,
कलुष भेद, तम हर, प्रकाश भर,
जगमग जग कर दे !

नव गति, नव लय, ताल-छन्द नव,
नवल कंठ, नव जलद मन्द्र रव,
नव नभ के नव विहग वृन्द को
नव पर, नव स्वर दे !

- सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

शिक्षण-संकेत : ■ कविता को हाव-भाव और लय के साथ बच्चों को सुनाएँ और उनसे भी सुनें। ■ कठिन शब्दों के अर्थ बच्चों की सहभागिता से स्पष्ट करें। ■ कविता के भाव बच्चों की सहभागिता से स्पष्ट करें।

कवि परिचय – निराला जी का जन्म बंगाल के मेदिनीपुर में सन् 1897 में हुआ था। आपके पिता उन्नाव जिले में गढ़ाकोला गाँव के रहने वाले थे। आपका कार्य क्षेत्र प्रमुख रूप से उत्तरप्रदेश ही रहा है। आपकी रचनाओं में प्रेम, सौन्दर्य, उल्लास, ओज और भक्ति के स्वर हैं। हिन्दी के छायावादी कवियों की त्रिमूर्ति- निराला, प्रसाद और पंत में से निराला जी एक हैं। हिन्दी कविता को मुक्त छंद आपकी ही देन है।

अभ्यास

बोध प्रश्न

प्रश्न 1 निम्नलिखित शब्दों के अर्थ शब्दकोश से खोजकर लिखिए –

वीणावादिनि	----------	मन्द्र रव	----------
नव	----------	उर	----------
अंध-उर	----------	जननि	----------
बंधन-स्तर	----------	तम	----------
विहगवृन्द	----------	पर	----------
कलुष	----------	कलुष भेद	----------
तम हर	----------	जगमग जग कर दे	----------
प्रकाश	----------	ज्योतिर्मय निर्झर	----------
नवल	----------		

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए –

क. 'नव नभ' के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

ख. इस कविता में कवि किससे वरदान माँग रहा है?

ग. कवि भारत में कौन-सा मंत्र भरने की बात कह रहा है?

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए –

क. कवि माँ सरस्वती से क्या वरदान चाह रहा है?

ख. कवि प्रकृति की हर वस्तु में नया रूप क्यों देखना चाह रहा है?

प्रश्न 4. निम्नलिखित पंक्तियों की उचित शब्दों से पूर्ति कीजिए -

क कलुष भेद, तम हर ..... भर।

ख काट अन्ध उर ..... स्तर।

ग बहा ..... ज्योतिर्मय निर्झर ।

घ नव ..... स्वर दे।

प्रश्न 5. निम्नलिखित पंक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए -

क. काट अन्ध उर के बन्धन स्तर

बहा जननि, ज्योतिर्मय निर्झर।

ख. नव नभ के नव विहग वृन्द को

नव पर, नव स्वर दे।

प्रश्न 6. सही विकल्प चुनकर लिखिए -

क. 'नव नभ के नव विहग वृन्द को' पंक्ति में अलंकार है -

(अ) यमक (आ) अनुप्रास (इ) श्लेष

ख. 'वर दे' कविता के रचयिता हैं -

(अ) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (आ) जयशंकर प्रसाद (इ) गिरधर

ग. विहग वृन्द का आशय है -

(अ) पशुओं का समूह (आ) मनुष्यों का समूह (इ) पक्षियों का समूह

भाषा-अध्ययन

प्रश्न 1. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए -

वीणावादिनि, स्वतंत्र, अमृत, ज्योतिर्मय, विहग वृन्द, बन्धन, निर्झर, जननि।

वर दे! कविता में 'वीणावादिनि' और 'जननि' शब्द प्रयुक्त हुए हैं, जब कि हिन्दी में इनके मानक स्वरूप 'वीणावादिनी' और 'जननी' हैं। सम्बोधन में अंतिम ईकारान्त शब्द इकारान्त हो जाता है। कविता में छन्द की लय के अनुरोध से भी ऐसा किया जाता है।

प्रश्न 2. **वर दे! पाठ में आए 'र' के विभिन्न रूप (ॅ, ्र और र) वाले शब्द छाँटकर लिखिए।**

प्रश्न 3. **निम्नलिखित शब्दों के नीचे बनी पहेली से दो-दो पर्यायवाची शब्द खोजकर लिखिए-**

अमृत, जननि, रात, जग, आकाश, विहग,

सु	अ	मि	य	रा	मा	ता
धा	ख	ग	न	त्रि	सं	ज
प	क्षी	म	भ	नि	सा	ग
ग	ग	न	माँ	शा	र	त

अमृत - सुधा , अमिय

जननि - .... , ...

रात - .... , ...

जग - .... , ...

आकाश - .... , ...

विहग - .... , ...

प्रश्न 4. 'तम हर' 'प्रकाश भर' में एक दूसरे के विपरीत अर्थ वाले शब्द प्रयुक्त हुए हैं। इस प्रकार के पाँच शब्द लिखिए, जिनसे विपरीत अर्थ (विलोम) प्रगट होता है।

शब्द	**विलोम शब्द**
1. तम	प्रकाश
2.	....
3.	....
4.	....
5.	....

यह भी जानिए -

''नन्दन वन-सी फूल उठी वह छोटी-सी कुटिया मेरी'' इस पंक्ति में 'कुटिया' **उपमेय**, 'नन्दन वन' **उपमान** 'फूल उठी' **साधारण धर्म** तथा 'सी' **वाचक शब्द** हैं।

इस प्रकार उपमा के चार अंग होते हैं-उपमेय, उपमान, साधारण धर्म और वाचक शब्द।

उपमेय - जिस व्यक्ति या वस्तु की किसी अन्य से तुलना की जाती है उसे उपमेय कहा जाता है। यथा- कुटिया शब्द उपमेय है क्योंकि कुटिया की तुलना नन्दनवन से की गई है।

उपमान- जिस प्रसिद्ध व्यक्ति या वस्तु से उपमेय की समानता (तुलना) की जाए उसे उपमान कहा जाता है। यथा- नन्दन वन की समानता कुटिया से की गई है। अत: वह उपमान है।

साधारण धर्म- उपमेय और उपमान में पाया जाने वाला समान गुण साधारण धर्म है। जैसे- फूल उठी

वाचक शब्द - वाचक वे शब्द हैं जो उपमेय और उपमान में पाए जाने वाले गुण की समानता प्रकट करते हैं, यथा 'सी' इसके अतिरिक्त 'जैसा' 'सम', 'सरिस' 'तुल्य' आदि शब्द समानता बताने के लिए प्रयोग किए जाते हैं।

परिभाषा

जहाँ एक वस्तु की दूसरी वस्तु से समानता या तुलना की जाती है, वहाँ उपमा अलंकार होता है। दो वस्तुओं में रूप, गुण आदि के आधार पर समता या तुलना की जाती है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित उदाहरणों में से उपमेय, उपमान, साधारण धर्म, वाचक शब्द छाँटकर तालिका में लिखिए।

1. सीता का मुख चन्द्रमा के समान सुन्दर है।
2. पीपर पात सरिस मन डोला।
3. हरिपद कोमल कमल से।
4. नन्दन वन-सी फूल उठी वह छोटी-सी कुटिया मेरी।''

क्र.	उपमेय	उपमान	साधारण धर्म	वाचक शब्द
1.				
2.				
3.				
4.				

योग्यता विस्तार

1. 'वर दे' कविता को कण्ठस्थ कीजिए और विद्यालय में प्रार्थना के समय इसका गायन सामूहिक रूप से कीजिए।
2. इस कविता को पढ़कर आपके मन में जो विचार उत्पन्न हुए हैं, उन्हें अपने साथियों को सुनाइए।
3. इसी प्रकार की अन्य कविताएँ अपने शिक्षक की सहायता से संगृहीत कीजिए।